Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 4907

PAPER – III

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

अरब संस्कृति एवं इस्लामिक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

With the fall of the Umayyads the glory of Syria passed away, its hegemony ended. The Syrians awoke too late to the realization that the centre of gravity in Islam had left their land and shifted eastward. The truly Arab period in the history of Islam had now passed and the first purely Arab phase of the Islamic empire began to move rapidly toward its close. The 'Abbasid' government called itself dawlah, new era, and a new era it was. The Iraqis felt freed from Syrian tutelage. The Shi'ites considered themselves avenged. The clients became emancipated. Al-Kufah, on the border of Persia, was made the new capital. Khurasanians formed the Caliphal bodyguard and Persians occupied the chief posts in the government. The original Arabian aristocracy was replaced by a hierarchy of officers drawn from the whole gamut of nationalities under the Caliphate. The old Arabian Muslims and the new foreign converts were beginning to coalesce and shade off into each other. Arabianism fell, but Islam continued, and under the guise of international Islam Iranianism marched triumphantly on.

''बनी उमय्या के शासन के समाप्त होने के साथ ही शाम देश की शानो शौकत एवं यश भी समाप्त हो गया और उन का वर्चस्व भी खत्म हो गया। सीरिया के लोगों को बहुत देर में यह समझ में आया कि इस्लाम धर्म का केन्द्र बिन्दु उन की धरती से खिसक कर पूर्वी क्षेत्रों में पहुँच गया। इस्लामी इतिहास का वास्तविक अरब-युग अब समाप्त हो गया था और इस्लामी साम्राज्य का पहला चरण तेजी के साथ पतन की ओर बढ़ने लगा। अब्बासी इस को दौलह और नवीन युग कहने लगे और यह नवीन युग ही था। इराकी स्वयं को सीरिया की संरक्षणता से मुक्त महसूस करने लगे और शीआ समझते थे कि उन्होंने बदला चुका लिया मवाली को आजादी प्राप्त हो गई। कूफे को, जो ईरान के बार्डर पर स्थित था, नयी राजधानी बना दिया गया। खुरासानियो को खलीफा के विशेष बाड़ीगार्ड टुकड़ी में सम्मिलित किया गया और ईरानियों को शासन में बड़े बड़े पदों पर नियुक्त किया गया। शासन में अरब के खान्दानी सम्मानित लोगों के बजाये दूसरी नसलों और खान्दानों के पदाधिकारी छा गये। पुराने अरब मुसलमान और अन्य नसल के नये मुसलमान आपस में इस प्रकार मिल गये कि उन के कौमी रंग फीके पड़ गये। अरबियत समाप्त हो गयी परन्तु इस्लाम बाकी रहा और अन्तर्राष्ट्रीय इस्लाम के भेस में ईरानियत तेजी के साथ फलने फूलने लगी।''

1. Describe the glory of Syria under the Umayyads.

उमय्या शासन में सीरिया के यश और गौरव पर प्रकाश डालिये।

2. The Umayyad caliphate is considered as the truly Arab period in the history of Islam. Comment.

''इस्लामी इतिहास में उमय्या खिलाफत को अरबों का वास्तविक युग कहा जाता है।'' व्याख्या कीजिए।

3. How did the Abbasids differ from the Umayyads ?

उमय्या परिवार के लोग अब्बासियों से किस प्रकार भिन्न हैं?

4. Why did the Shi'ites consider themselves avenged at the fall of the Umayyads ?

उमय्या परिवार के पतन पर शीओं ने क्यों यह सम्झा कि उन्हों ने बदला ले लिया।

5. "Under the Abbasids, Iranianism marched triumphantly on". Comment.
''अब्बासियों के अन्तर्गत इरानियों का बोलबाला रहा''- व्याख्या कीजिए।

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. Describe the main deserts of the Arabian Peninsula.
अरब द्वीप के मुख्य रेगिस्तानों का वर्णन कीजिए।

7. Describe the circumstances under which prophet Muhammad migrated from Mecca to Madina.

हजरत मुहम्मद ने किन परिस्थितियों में मक्का से मदीना हिजरत की ?

8. Describe the basic teachings of Islamic faith.

इस्लाम धर्म की बुनियादी शिक्षा का वर्णन कीजिए।

9. Give a brief account of the main achievements of Caliph Abu Bakr.

खलीफा अवूवक्र की मुख्य उपलब्धियों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

10. Describe the main features of the institution of Khilafat.

खिलाफत संस्था की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

11. Describe the major causes that led to the downfall of the Umayyad rule.

उमवी शासन के पतन के कारणों का वर्णन कीजिए।

12. Write a note on the establishment of the Abbasid rule.

अब्बासी शासन की स्थापना पर नोट लिखिये।

13. Describe the main features of socio-cultural life under the Abbasids.

अब्बासी शासन काल में सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन के मुख्य लक्षणों का वर्णन कीजिए।

14. Give an account of the compilation of the Quran.

कुरान के संकलन पर नोट लिखिए।

15. Evaluate the contribution of Abul Kalam Azad as a commentator on the Quran.

कुरान के टीका कार के रूप में अबुल कलाम आजाद के योगदान की समीक्षा कीजिए।

16. Give a brief account of economic teachings of the Quran.

कुरान की आर्थिक शिक्षा का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

17. Define Fiqh and describe its main sources.

फ़िक़्ह और उसके मुख्य स्रोतों का वर्णन कीजिए।

18. Why the Asharites are so called ?

अशअरी समुदाय के लोगों को अशअरी क्यों कहा जाता है? बताइये।

19. Write a note on the main features of Chishtiya Sufi order.

चिश्ती सूफ़ी सिलसिला के मुख्य लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

20. Briefly describe your understanding of the term "Khawarij."

''ख़्वारिज'' शब्द से क्या तात्पर्य है? बताइये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I / विकल्प – I
(Islamic Studies) / (इस्लामी अध्ययन)

21. Discuss the contribution of Tablighi Jamat in the revival of Islam.
इस्लाम के पुनरुद्धार में तबलीगी जमात के योगदान पर चर्चा कीजिए।

22. Evaluate the contribution of Shah Waliullah as a socio-religious reformer.
शाह वलीउल्हाह के सामाजिक एवं धार्मिक सुधारक के रूप में योगदान की समीक्षा कीजिए।

23. Discuss the main achievements of Sir Syed Ahmad Khan as an educationist.
शिक्षा शास्त्रि के रुप में सर सैय्यद के योगदान पर चर्चा कीजिए।

24. Describe the main socio-religious trends in modern Iran.
आधुनिक ईरान में मुख्य सामाजिक एवं धार्मिक विचार धारा का वर्णन कीजिए।

25. Give an account of the religious thought of Allama Iqbal.
अल्लामा इकवाल के धार्मिक विचारों की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II
(Arab Culture) / (अरब संस्कृति)

21. Give a brief account of the impact of Western Civilization on the contemporary Arab World.
समकालीन अरब जगत पर पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

22. "Al-Biruni was the greatest Indologist of his time". Elaborate
अलबेरुनी अपने समय में सर्वश्रेष्ठ भारतीय विद्या-शास्त्री था। वर्णन कीजिए।

23. Give an account of the image of India as depicted in Arab writings.
अरबी की रचनाओं में भारत की रूपरेखा किस प्रकार प्रतिबिम्बित होती है। वर्णन कीजिए।

24. Write a note on Indian Origins of the Arab scientific legacy.
अरबों की वैज्ञानिक सम्पदा में भारत का योगदान बताइये।

25. Give an account of contemporary Indo-Arab commercial relations.
समकालीन भारत-अरब व्यापारिक सम्बन्धों का उल्लेख कीजिए।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Write an essay on the role of Salahuddin Ayyubi as liberator of Syria and Palestione.
शाम और फिलिस्तीन को आजाद कराने में सलाहुद्दीन अय्यूबी के योगदान पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on Indo-Arab political relations during the last 50 (fifty) years.
पिछले पचास वर्षों में अरब व भारत के बीच राजनीतिक संबंधों पर एक निबन्ध लिखिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....